महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)
ज्ञान शांति मैत्री
जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651

शब्दसृष्टि के 'हिंदी-मराठी आदान-प्रदान' विशेषांक का हिंदी विवि के कुलपति विभूति नारायण राय ने किया विमोचन

शब्दसृष्टि के हिंदी-मराठी आदान-प्रदान विशेषांक का विमोचन करते हुए कुलपति विभूति नारायण राय। साथ में संपादक प्रो. मनोहर, डॉ. सतीश पावडे व बी एस मिरगे ।

वर्धा दि. 21 नवम्बर 2011: हिंदी-मराठी द्विभाषिक त्रैमासिक पत्रिका 'शब्दसृष्टि' द्वारा मुंबई से प्रकाशित 'हिंदी-मराठी आदान-प्रदान विशेषांक' का विमोचन महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति विभूति नारायण राय द्वारा किया गया। इस अवसर पर सिध्दार्थ महाविद्यालय, मुंबई के मराठी विभागाध्यक्ष तथा शब्दसृष्टि के संपादक प्रो. मनोहर, प्रतिकुलपति प्रो. ए. अरविंदाक्षन, संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो. अनिल के. राय 'अंकित' विश्वविद्यालय के नाटयकला एवं फिल्म अध्ययन विभाग के सहायक प्रोफेसर तथा शब्दसृष्टि के संपादन सहयोगी डॉ. सतीश पावडे प्रमुखता से उपस्थित थे।

कुलपति के कक्ष में सम्पन्न इस कार्यक्रम में कुलपति राय ने शब्दसृष्टि का विमोचन किया। इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि हिंदी-मराठी के आदान-प्रदान पर केंद्रीत इस प्रकार का विशेषांक

प्रकाशित करना सराहनीय कदम है। इसके लिए उन्होंने संपादक तथा संपादन मंडल के सभी सदस्यों को बधाई भी दी।

शब्दसृष्टि के 208 पृष्ठों के इस विशेषांक में डॉ. चन्द्रकांत बांदिवडेकर, प्रो. कमलाकर सोनटक्के, डॉ. मो. दि. पराड़कर, डॉ. पुष्पा भारती, लीना मेहंदळे, डॉ. दामोदर खडसे, डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे, डॉ. विजया, डॉ. करूणाशंकर उपाध्याय, डॉ. सुनील देवधर, डॉ. मधुलता व्यास, डॉ. सतीश पाण्डेय के हिंदी में तथा डॉ. सदा क-हाडे, डॉ. श्रीरंग संगोराम, डॉ. प्रमोद तलगेरी, डॉ.रमेश वरखेडे, डॉ. सतीश पावडे, डॉ. न. ब. पाटील, डॉ. गजानन चव्हाण, डॉ.सुनील कुमार लवटे, प्रो. निशिकांत ठकार तथा डॉ. मनोहर जाधव आदि के आलेख हैं।

इसके अलावा मराठी में अनूदित प्रेमचंद की 'कफ़न', जयशंकर प्रसाद का 'पुरस्कार', भीष्म सहानी की 'अमृतसर आले आहे', मोहन राकेश की 'डबराचा मालक' तथा सूर्यबाला की 'वेणूचे नवे घर' आदि मराठी में अनूदित कृतियां इस विशेषांक में शामिल हैं। हिंदी में अनूदित मराठी कहानियां, हिंदी में अनूदित नाट्यपद, हिंदी में अनूदित मराठी कविताएं, मराठी में अनूदित हिंदी कविताएं तथा पुस्तक समीक्षा इस विशेषांक में शामिल की गयी हैं।

शब्दसृष्टी की इस पहल के बारे में संपादक प्रो. मनोहर ने बताया कि भारतीय साहित्य, कला व सांस्कृतिक प्रतिष्ठान शब्दसृष्टि द्वारा हम भारतीय साहित्य, कला व संस्कृति में आदान-प्रदान संपन्न कराना चाहते हैं। इसके माध्यम से हम हिंदी-मराठी-अंग्रेजी भाषाओं के माध्यम केवल भारतीय ही नहीं, हमारे सीमांतों से दूर भिन्न भाषिक भूगोल में रचे जा रहे साहित्य को समेटना चाहते है। इससे पहले शबदसृष्टि के साहित्य अकादमी पुरस्कार विशेषांक, डॉ. हरिवंशराय बच्चन विशेषांक तथा भारतीय गज़ल विशेषांक प्रकाशित किये जा चुके हैं, जिसकी साहित्य जगत में काफी सराहना हुई है। प्रो. मनोहर ने बताया कि शब्दसृष्टि के आगामी विशेषांकों में कवि कुसुमाग्रज व अज्ञेय, कांकणी भाषा, साहित्य व संस्कृति, भारतीय संस्कृति व कला तथा गुजराती भाषा, साहित्य व संस्कृति विशेषांक शामिल हैं।

इस अवसर पर प्रो. मनोहर द्वारा 'शब्दसृटि' प्रकाशित सिध्दार्थ पारधे द्वारा लिखित कॉलनी (हिंदी अनुवाद) की प्रति भी कुलपति विभूति नारायण राय व प्रतिकुलपति प्रो. ए. अरविंदाक्षन को भेंट स्वरूप प्रदान की गयी।

बी एस मिरगे
जनसंपर्क अधिकारी